**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर में पर्वतीय जल विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। २० मार्च, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, द्वारा प्रायोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। इस दस-दिवसीय एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय 'पर्वतीय जल विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन' है।

कार्यक्रम का उद्घाटन अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डा. एच.सी. शर्मा, द्वारा किया गया। उन्होंने पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एंव शिक्षकों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के निदान की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समन्वयक एवं विषय निदेशक, डा. एच.जे. शिवा प्रसाद, एवं सह-समन्वयक, डा. ज्योति प्रसाद, प्राध्यापक, सिविल इजिनियरिग विभाग, हैं। इस प्रशिक्षण में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, चण्डीगढ के साथ-साथ पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

तापमान में निरन्तर परिवर्तन एवं अनियमित वर्षा पर्वतीय क्षेत्रों एंव हिमशिखरों में परिवर्तन के लिए उत्तरदायी है, अतः इनका उचित संरक्षण अनिवार्य है। इन सभी विषयों को इस कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया हैं, जिनपर उचित चर्चा की जाएगी एवं संबन्धित व्याख्यान दिये जायेगें। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन, विज्ञान उर्जावाणिकी विज्ञान, जलवायु परिवर्तन नीति एवं अन्य संबन्धित विषयों पर हो रहे नवीनतम अनुसंधानों एवं प्रयोगों से पूर्ण रुप से अवगत कराया जायेगा।

इस पाठ्यक्रम के प्रायोगिक पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में जलीय संस्थान एवं उनके सम्भावित अनुप्रयोग सम्बन्धित विषयों पर सभी प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थीयों को भ्रमण के लिए ले जाया जायेगा, जिसमें गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोडा, भीमताल झील, इत्यादि का निरीक्षण करेंगे और मृदा कटाव का भी निरीक्षण करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन २९ मार्च २०१८ को होगा।

*प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे प्रशिक्षणार्थियों के साथ अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी, डा. एच.सी. शर्मा*